योगी बताएं सूबे के बदत्तर हालात के लिए कौन सा मुगल शासक जिम्मेदार

रिहाई मंच ने जारी की कानून व्यवस्था की पोल खोलती पिछले दिनों की घटनाओं की फेहरिस्त

लखनऊ। रिहाई मंच ने पिछले 20 दिनों में यूपी में हुई घटनाओं की सूची जारी करते हुए कहा कि यह पूछना जरूरी है कि जब योगी आदित्यनाथ सूबे को इलाहाबाद से प्रयागराज की बहस में उलझाए हुए थे तो उस दरम्यान क्या-क्या हुआ। योगी इलाहाबाद का नाम बदलकर विविधता भरे इतिहास और पहचान को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। यह ढोंग अपनी विफलता को मुगलों की गुलामी से आजादी दिलाने के नाम पर है। रिहाई मंच अध्यक्ष मुहम्मद शुऐब ने घटनाओं की सूची जारी करते हुए योगी से सवाल किया कि वे बताएं कि इन घटनाओं के लिए कौन-कौन से मुगल शासक जिम्मेदार हैं। दरअसल प्रयागराज के सहारे हिन्दुत्व को धार देने की कोशिश की जा रही है और 19 तारीख को दशहरे के मौके पर इलाहाबाद के परेड ग्राउंड में आरएसएस का शस्त्र पूजन होने जा रहा है। इसमें सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल खुद मौजूद होंगे।

ऐसे में सूबे के हालात को समझा जा सकता है क्योंकि उसी दिन जुमा भी है। पिछले दिनों जिस तरह से प्रदेश में सांप्रदायिक तनाव बढ़े हैं और पुलिस की अराजकता के साथ ही साथ उनमें बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पूरी व्यवस्था के संकट को दर्शाती है। पिछले दिनों डीजी होमगार्ड का पत्र सामने आया जिसमें उन्होंने सेवानृवृत्ति के बाद किसी पद की आकांक्षा करते हुए हिन्दुत्व के प्रति अपनी निष्ठा स्पष्ट की थी।

रिहाई मंच नेता मसीहुद्दीन संजरी ने बताया कि सूबे और देश में बढ़ती हिंसा को लेकर पिछले 20 दिनों में घटित पैंसठ वारदातों की सूची प्रदेश की भयावह स्थिति को सामने लाती है। सूबे की महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ नीतिगत स्तर पर प्रभावित करने वाली कुछ राष्ट्रीय घटनाएं भी इस सूची में शामिल हैं जैसे प्रधानमंत्री पर हमले की धमकी भरा मेल। इसमें सांप्रदायिक तनाव की ग्यारह, धर्मांतरण के नाम पर हिंसा की छह और पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों की आत्महत्या के छह मामले प्रमुख हैं।

गुजरात में यूपी के लोगों के साथ हिंसा के बाद पलायन, सूबे में दशहरे पर आरएसएस द्वारा शस्त्र पूजन, धर्मांतरण के नाम पर हमले, अम्बेडकर प्रतिमा को तोड़े जाने से तनाव, विश्वविद्यालय में हक-हुकूक के आंदोलनों का दमन, किसानों पर लाठी चार्ज, केसरिया-भगवा झंण्डों के जरिए बवाल, परंपरा से उलट मूर्ति स्थापना, गौकशी व मूर्तियों के खंडित होने को लेकर तनाव, राम मंदिर को लेकर बयानबाजी व अयोध्या में कार्यक्रम, मॉब लिचिंग, वंदेमातरम और भारत माता की जय के नाम पर स्कूली बच्चों में टकराव, अलीगढ़ विश्वविद्यालय के कश्मीरी छात्रों पर देशद्रोह का फर्जी मुकदमा, आरटीआई कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों की हत्या, दबंगों के जातिगत व सामंती शोषण, महिला हिंसा, आम नागरिकों की हत्या, पुलिस कर्मियों-प्रशासनिक अधिकारियों की आत्महत्या, मुठभेड़ों के नाम पर हो रही गिरफ्तारियां, आतंकवाद के नाम पर गिरफ्तारी, रोहिंग्या व खालिस्तान के नाम पर गिरफ्तारी, हिरासत के दौरान मौत, ध्वस्त कानून व्यवस्था, लोकतांत्रिक और मानवाधिकार का हनन की घटनाओं का यह ब्योरा सूबे की भयावह स्थिति को दर्शाता है।

1- 28 सितंबर की रात राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में एप्पल कंपनी के अधिकारी विवेक तिवारी की सिपाही प्रशांत चौधरी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद पुलिस कर्मियों द्वारा अभियुक्त के पक्ष में लामबंद होने से सूबे में स्थिति तनावपूर्ण।

2- 28 सितंबर को सांबरकांठा जिले के हिम्मतनगर के ढुन्ढर गांव में 14 महीने की बच्ची से बलात्कार के बाद गुजरात में यूपी-बिहार के प्रवासियों पर हमले और उनका पलायन।

3- 28 सितंबर को बाराबंकी के हैदरगढ़ कोतवाली में तैनात महिला सिपाही मोनिका की फांसी लगाकर आत्महत्या।

4- 30 सितंबर को ललितपुर में केन्द्रीय मंत्री उमा भारती के कार्यक्रम से लौटे एसडीएम हेमेन्द्र ने राइफल से गोली मारकर जान दे दी।

5- 30 सितंबर को बाराबंकी के फतेहपुर के मुहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ग्राम अमेरा में बजरंगदल के प्रांतीय सयोजक सुनील सिंह ने ईसाई मिशनरियों पर गांव के दलितों के धर्मांतरण का आरोप लगाकर बलवा किया।

6- 1 अक्टूबर को कानपुर देहात में हेड कांस्टेबल नरेश यादव ने सरकारी राइफल से गोली मारकर जान दी।

7- 1 अक्टूबर को फैजाबाद के कैंट थाना में तैनात महिला आरक्षी अभिलाशा ने थाना प्रभारी पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

8- 1 अक्टूबर को अंबेडकरनगर के हंसवर थाने में एक शिक्षक को बिना किसी गलती के तीन घंटे तक हिरासत में रखा गया।

9- 1 अक्टूबर को गाजियाबाद के बृजबिहार स्थित बालभारती स्कूल में बीएसएफ के एक जवान जगप्रीत की उसी के साथी जवान अजीत ने गोली मारकर हत्या की।

10- 2 अक्टूबर को बागपत के बदरखा गांव निवासी अख्तर अली ने बेटे की मौत के बाद इंसाफ न मिलने पर परिवार के बीस सदस्यों के साथ हिंदू धर्म ग्रहण करने का ऐलान किया।

11- 4 अक्टूबर को लखनऊ के ठाकुरगंज में दो सगे भाइयों अरमान और इमरान की हत्या।

12- 4 अक्टूबर को सिद्धार्थनगर के त्रिलोकपुर क्षेत्र में कक्षा 8 की बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार और उसका वीडियो वायरल।

13- 4 अक्टूबर को राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में युवती को बंधक बनाकर बलात्कार।

14- 5 अक्टूबर को बलिया बेल्थरारोड के शिव कुमार जायसवाल द्वारा जीएमएएम इंटर कालेज के छात्रों का वंदेमातरम और भारत माता की जय को लेकर विवादित वीडियो के वायरल होने के बाद तनाव। नाबालिगों समेत 8 मुस्लिम छात्रों को उठाने के बाद 12 अक्टूबर को पुलिस ने किया चलान।

15- 5 अक्टूबर को बहराइच में रामगांव के ओढ़ीपुर दषरथपुर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मिंटू प्रसाद लोधी की गला रेतकर हत्या।

16- 5 अक्टूबर को आगरा के थाना डौकी के गांव गुड़ा में दबंगों द्वारा चाउमीन खाने को लेकर हुई पिटाई के बाद रामनिवास प्रजापति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या।

17- 5 अक्टूबर को मेरठ में पीसीएस की तैयारी कर रही युवती की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या।

18- 5 अक्टूबर को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अफगानी छात्र के साथ मारपीट।

19- 6 अक्टूबर को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव के रिजल्ट के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं-कार्यकर्ताओं द्वारा हॉलैण्ड हास्टल में आगजनी।

20- 6 अक्टूबर को आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से 16 रोहिंग्या मुसलमानों को हिरासत में लेने का पुलिस का दावा।

21- 7 अक्टूबर को महराजगंज के पनियरा थाना में बरगदवां टोले में भगवा झंडा को लेकर तनाव।

22- 7 अक्टूबर को हाथरस में ईदगाह पर केसरिया झंडा फहराने के बाद तनाव।

23- 7 अक्टूबर को पीलीभीत के नौगवां पकड़िया गांव में राम जानकी मंदिर की मूर्तियों के खंडित होने के बाद स्थिति तनावपूर्ण।

24- 8 अक्टूबर को लखनऊ के मलेशेमऊ में क्रिकेट के दौरान हुए झगड़े के बाद तनाव।

25- 8 अक्टूबर को पाकिस्तान को ब्रह्मोस की जानकारी देने वाले निशांत अग्रवाल को यूपी एटीएस ने किया गिरफ्तार।

26- 9 अक्टूबर को राजधानी लखनऊ में सहारागंज माल में एसयूवी कार के अंदर गोली चली।

27- 10 अक्टूबर को बहराइच के रिसिया थाने के सिसई सलोन में प्रतिमा स्थापना को लेकर तनाव और गिरफ्तारी।

28- 10 अक्टूबर को ठाकुरगंज डबल हत्याकांड के आरोपी शिवम सिंह की पुलिस

रेड के दौरान मृत्यु।

29- 10 अक्टूबर को गाजियाबाद के कविनगर थाने के सब इंसपेक्टर विजय कुमार ने थाने में गोली मारकर आत्महत्या की।

30- 11 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में बवाना गांव की छात्राओं के साथ छेड़खानी की अफवाह के चलते तनाव।

31- 11 अक्टूबर को टुंडला में नवरात्रि में क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने के लिए गौकशी।

32- 11 अक्टूबर को आगरा में गुतीला गांव में धरने पर बैठे किसानों पर पुलिस का लाठी चार्ज।

33- 11 अक्टूबर को आगरा फतेहाबाद थाने के दरोगा कंपी सिंह फेसबुक पर प्रधानमंत्री और धार्मिक टिप्पणी के नाम पर लाइन हाजिर।

34- 11 अक्टूबर को शामली के लाक गांव में दलित छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या।

35- 11 अक्टूबर को फर्रुखाबाद सेन्ट्रल जेल में उम्र कैदी गौरी शंकर की हत्या।

36- 12 अक्टूबर को जम्मू और कश्मीर में मन्नान वानी के मारे जाने के बाद एएमयू में शोकसभा के नाम पर कश्मीरी छात्रों पर देशद्रोह का मुकदमा।

37- 12 अक्टूबर को संभल के असमौली थाने के उपनिरीक्षक मनोज कुमार की पिस्टल न चलने के बाद मुंह से ठांय-ठांय की आवाज निकालकर मुठभेड़ का दावा।

38- 12 अक्टूबर को अमरोहा के देहराचक गांव में अंबेडकर प्रतिमा के विंध्वंस के बाद तनाव।

39- 12 अक्टूबर को लखनऊ में शिववसेना सांसद संजय राउत ने राममंदिर निर्माण के लिए एससीएसटी एक्ट और तीन तलाक की तरह अध्यादेश लाने की केन्द्र सरकार से मांग की। नवंबर में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का एक लाख शिव सैनिकों के साथ अयोध्या जाने का ऐलान।

40- 12 अक्टूबर को आगरा में रोहिंग्या मुस्लिमों को शरण देने के नाम पर तीन की गिरफ्तारी।

41- 12 अक्टूबर को बिजनौर में धार्मिक स्थल का निर्माण गिरने के बाद तनाव।

42- 12 अक्टूबर को फिरोजाबाद थाना के ईशगढ़ में कुंड में बालिका के गिरने से मौत के बाद ईसाइयों के खिलाफ हिंदू संगठनों का हंगामा।

43- 12 अक्टूबर को पीलीभीत के मधपुरी, बरखेड़ा में हिंदू युवा वाहिनी की षिकायत के बाद ईसाई धर्म स्वीकारने के नाम पर पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार को गिरफ्तार किया।

44- 13 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने प्रधानमंत्री मोदी को नवंबर 2019 में जान से मारने की धमकी के सितंबर 2018 में आए मेल की पुष्टि की।

45- 13 अक्टूबर को असम की राजधानी गुवाहाटी में बम विस्फोट।

46- 13 अक्टूबर को बिजनौर में 'मिशन मोदी अगेन' कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद अमर सिंह ने बोला कि हिंदुओं को प्रट्रोल और जाति के नाम पर बांट रहे हैं। अगर मोदी जैसा नेता फिर से प्रधानमंत्री नहीं बना तो हिंदुओं को इसी तेल में जलाकर मार दिया जाएगा।

47- 13 अक्टूबर को गुरुग्राम में जज की पत्नी और बेटे को गन मैन ने गोली मारी।

48- 13 अक्टूबर को अपने को मुगल वंसज कहने वाले प्रिंस याकूब ने राम मंदिर का पक्ष लिया और इसके लिए अयोध्या जाने को कहा।

49- 13 अक्टूबर को अमेठी के मुसाफिरखाना क्षेत्र के सरयासबल शाह गांव में दो युवकों की पीट-पीटकर हत्या।

50- 13 अक्टूबर को अयोध्या के तपस्वी छावनी मंदिर के महंत परमहंस दास ने चेतावनी दी कि चुनाव से पहले राम मंदिर नहीं बना तो आत्मदाह करेंगे। 16 अक्टूबर को उन्होंने कट्टरपंथी तत्वों से अपनी जान को खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री से सुरक्षा मांगी।

51- 13 अक्टूबर को सीतापुर में चौधरीटोला के दूधनाथ मंदिर के शिवलिंग के खंडित होने के बाद तनाव।

52- 13 अक्टूबर को बदायूं बिल्सी थाना क्षेत्र के गांव पहाड़पुर में छेड़छाड़ का विरोध करने पर दंबगों ने छात्रा का सिर दीवार पर मारा जिससे 15 तारीख को उसकी मौत हो गई।

53- 14 अक्टूबर को दशहरे पर केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह का भारत-पाक सीमा पर शस्त्र पूजन।

54- 14 अक्टूबर को जौनपुर के सराय रुस्तम गांव में विश्व हिंदू परिषद की शिकायत पर पुलिस ने धर्मांतरण के नाम पर ग्राम वासियों की गिरफ्तारी की।

55- 14 अक्टूबर को सहारनपुर मंडी कोतवाली क्षेत्र में घर में घुसकर दो बहनों के साथ तीन युवकों ने दुष्कर्म का प्रयास किया और विरोध करने पर उन पर तेजाब फेंका।

56- 14 अक्टूबर को रायबरेली जेल के कैदी भानु प्रताप रैदास का शौचालय में लटका मिला शव।

57- 14 अक्टूबर को अयोध्या राम मंदिर के लिए अपने को मुगल वंशज कहने वाले प्रिंस तूसी ने अयोध्या में किया शिला पूजन।

58- 15 अक्टूबर को अंबेडकर नगर में बसपा नेता और उनके ड्राइवर की गोली मारकर हत्या।

59- 15 अक्टूबर को शामली में खालिस्तान समर्थक के नाम पर तीन की गिरफ्तारी।

60- 16 अक्टूबर को इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया।

61- 16 अक्टूबर को देशी गाय के दूध पर पांच रुपए लीटर प्रोत्साहन राशि प्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने का आश्वासन।

62- 16 अक्टूबर को बागपत जिला अस्पताल में नर्सिंग की छात्रा से दुष्कर्म।

63- 16 अक्टूबर को गोरखपुर पिपराइच थाना क्षेत्र के कैथवलिया मंडी तिराहे पर पूर्व प्रधान अवधेश यादव के बेटे अनिकेत यादव की गोली मारकर हत्या।

64- 16 अक्टूबर को औरैया के सहायल थाने में तैनात हेड मुहर्रिर सोबरन सिंह ने थाने में लगाई फांसी।

65- 16 अक्टूबर को हरदोई के बदायूं पुलिस लाइन में तैनात निलंबित सिपाही चन्द्र भूषण त्रिवेदी की संदिग्ध हालत में मौत।

- राजीव यादव

भीड़ मर गयी, गैलीलियो नहीं मरा

हम सब को बहुत गुस्सा आता है जब हम पढते हैं कि किस तरह क्रूर ईसाई धर्मान्धों ने गैलीलियो को जिंदा जला दिया था !

गैलीलियो का गुनाह क्या था? उसने सच बोला था ! उसने कहा था कि सूर्य पृथ्वी के चारों तरफ नहीं घूमता बल्कि पृथ्वी सूर्य के चारों तरफ घूमती है !

जबकि धर्मग्रन्थ में लिखा था कि... पृथ्वी केन्द्र में है और सूर्य तथा अन्य गृह उसके चारों तरफ घुमते हैं !

गैलीलियो ने जो बोला वो सच था ! धर्मग्रन्थ में झूठ लिखा था। इसलिए... धर्मग्रंथ को ही सच मानने वाले सारे अंधे गैलीलियो के विरुद्ध हो गये। गैलीलियो को पकड़ लिया गया। गैलीलियो पर मुकदमा चलाया गया ! अदालत ने सत्य को अपने फैसले का आधार नहीं बनाया !

बल्कि ... अदालत भीड़ से डर गयी ! भीड़ ने कहा यह हमारे धर्म के खिलाफ बोलता है इसे जिंदा जला दो ! अदालत ने फैसला दिया... इसे जदिा जला दो क्योंकि इसने लोगों की धार्मिक आस्था के खिलाफ बोला है ! जिंदा जला दिया गया गैलीलियो, सत्य बोलने के कारण !सत्य हार गया अंधविश्वासीआस्था जीत गयी !

आज भी जब हम ये पढते हैं तो... सोचते हैं कि काश तब हम जैसे समझदार लोग होते तो ऐसा गलत काम न होने देते!

लेकिन अगर मैं आपको बताऊँ कि ऐसा आज भी हो रहा और आप इसे होते हुए चुपचाप देख भी रहे हैं तो भी क्या आप में इसका विरोध करने का साहस है?

आप अपनी तो छोड़िये, इस देश के सर्वोच्च न्यायालय में भी ये साहस नहीं है !न्यायालय के एक नहीं अनेकों निर्णय ऐसे हैं जो सत्य के आधार पर नहीं धर्मान्ध भीड़ को खुश करने के लिए दिये गये हैं !

भयंकर स्थिति है ! सच नहीं बोला जा सकता !

विज्ञान बढ़ रहा है ! विज्ञान का उपयोग हथियार बनाने में हो रहा है ! विज्ञान की खोज टीवी है, सोशल मीडिया है, मोबाइल है, कम्प्यूटर है। टीवी और सोशल मीडिया का इस्तेमाल लोगों के दिमाग बंद करने में किया जा रहा है ! इतना ही नहीं....

लोगों को भीड़ में बदला जा रहा है ! भीड़ की मानसिकता को एक जैसा बनाया जा रहा है !

जो अलग तरह से बोले उसे मारो या जेल में डाल दो। अलग बात बोलने वाला अपराधी है ! सच बोलने वाला अपराधी है!

यह भीड़ हिंदुस्तान से लेकर अमेरिका तक फैली है, वही भीड़ संसद भवनों और विधान सभाओं में दाखिल हो गयी है! वो कुर्सियों पर बैठ गयी है ! वो तर्क को नहीं मानेगी, इतिहास को नहीं मानेगी !

ये भीड़ राजनीति को चलाएगी !

विज्ञान को जूतों तले रोंद देगी !

कमजोर किसान मजदूर को मार देगी!

और फिर ढोंग करके खुद को धर्मिक, राष्ट्रभक्त और मुख्यधारा कहेगी। मगर....

मैं खुद को इस भीड़ के राष्ट्रवाद, धर्म और राजनीति से अलग करता हूं !

मुझे इसके खतरे पता हैं ! पर मैंने इतिहास में जाकर जलते हुए गैलीलियो के साथ खड़े होने का फैसला किया है ! मुझे पता है मेरा अंत उससे ज्यादा बुरा हो सकता है ! पर देखो न.... भीड़ मर गयी, गैलीलियो नहीं मरा !

- एक वायरल सत्य